P-315

Total Pages : 4 Roll No. .....

MASL-607

गद्य एवं पद्य काव्य भाग-02

MA Sanskrit (MASL)

4th Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. किन्हीं दो श्लोकों का भावानुवाद विश्लेषण व व्याख्या कीजिए :

(क) पूर्व तु सा चन्द्र मिवाभ्रमध्ये स्वप्ने ददर्शात्मवपुर्विशन्तम्।
नागेन्द्रमेकं धवलं न धीरा तस्मान्निमित्ताद् विभया चकार।।

(ख) रसैः कथा यस्य सुधावधीरिणी नलः भूजानिरभूद्गुणादभुतः।
सुवर्णदण्डैक सितातपत्रितज्वलत्प्रतापावलिकीर्तिमण्डलः।।

(ग) तस्या विदित्वा नृप आर्यभावं धर्म्यंच तुष्टः सुतरामनन्दत्।
इच्छाविद्यातादहितं विशङ्क्य तत्प्रीतये चाशु विनिर्जगाम।।

(घ) अवाप सापत्रपतां स भूपतिर्जितेन्द्रियाणां धुरि कीर्तितस्थितिः।
असंवरे शम्बरवैरिविक्रमे क्रमणे तत्र स्फुटतामुपेयुषि।।

2. नैषधीय महाकाव्य के प्रणेता महाकवि श्री हर्ष की रचनाओं का सम्य विवेचन कीजिए।

3. महाकवि अश्वघोष विरचित बुद्धचरितम् महाकाव्य की कथावस्तु का वर्णन कीजिए।

4. निम्न श्लोकों में किन्हीं **दो** का भावनुवादपूर्वक व्याख्या कीजिए :

(क) अनंगचिह्नं स विना शशाक नो यदासितुं संसदियत्नवानपि।
क्षणं तदाराम विहार कैतवान्निषेवितुं देशमियेष निर्जनम्।

(ख) इच्छेदसौ वै पृथिवीश्रियं चेन्न्यायेन जित्वा पृथिवीं समग्राम्।
भूपेषु राजेत यथा प्रकाशो ग्रहेषु सर्वेषु रवेर्विभाति।।

(ग) फलानि पुष्पाणि च पल्लवे करे वयोति पातोद्गतवात वेपिते।
स्थितैः समादाय महर्षिवार्धकाद्वने तदातिथ्यमशिक्षि शाखिभिः।।

(घ) वाल्मीकिरादौ च ससर्जपद्यं जग्रन्थ यन्न च्यवनो महर्षिः।
चिकित्सितं यच्च चकार नात्रिः पश्चात्तदात्रेय ऋषिर्जगाद।।

5. महाकवि श्रीहर्ष का जीवन परिचय पर प्रकाश डालिए।

अथवा

महाकवि अश्वघोष का जीवन परिचय लिखिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. नैषधीय चरितम महाकाव्य के प्रथम सर्ग का कथासार लिखिए।

2. बुद्धचरितम् महाकाव्य के प्रथम सर्ग का कथासार लिखिए।

3. नैषधीय चरितम् महाकाव्य के नायक नल का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. बुद्धचरितम् महाकाव्य में वर्णित ब्राह्मणों एवं राजा का संवाद वर्णन कीजिए।

5. उदिते नैषधेकाव्ये क्व माघः वव च भारविः की व्याख्या कीजिए।

6. किन्हीं दो सूक्तियों का भावानुवाद प्रस्तुत कीजिए :

(क) बभार शास्त्राणि दृशं द्वयाधिका निजत्रिनेत्रावतरत्व बोधिकाम्।

(ख) त्यजन्त्य सूंशर्म च मानिनो वरं त्यजन्ति न त्वेकमयाचितव्रम्।

(ग) इच्छा विघातादहितं विशङ्क्य तस्प्रीतये चाशु विनिर्जगाम।

(घ) सचन्दना चोत्पलपद्मगर्भा पपात वृष्टिर्गगनादनभ्रात्।

7. नैषधीय महाकाव्य के अनुसार दमयन्ती का चरित्र वर्णन कीजिए।

8. बुद्धचरितम् महाकाव्य की भाषाशैली का वर्णन कीजिए।